फा. सं. 16015/1/2019-पीएमआई
भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग
*****

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांक: 18th जनवरी, 2021

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मंत्रिमंडल के लिए माह दिसम्बर, 2020 के मासिक सार के संबंध में।

अधोहस्ताक्षरी को माह दिसम्बर, 2020 के संबंध में उर्वरक विभाग का मासिक सार एतदद्वारा सूचनार्थ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

(जोहन तोपनो)
उप सचिव, भारत सरकार
दूरभाष: 011-23388064

सेवा में

1. मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि :

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव
2. निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004
3. सचिव (उर्वरक) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव
4. एनआईसी को उर्वरक विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए।

विषय: माह दिसम्बर, 2020 के संबंध में उर्वरक विभाग का मासिक सार।

1. माह के दौरान समग्र उत्पादन निष्पादन:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	माह के दौरान उत्पादन	इस माह तक संचयी उत्पादन
यूरिया	21.80	188.33
डीएपी	3.47	30.14
अमोनियम सल्फेट (ए/एस)	0.67	5.31
मिश्रित उर्वरक	8.98	69.94
सिंगल सुपर फॉस्फेट	2.88	37.51

स्रोत : mfms.nic.in 07.01.2021 की स्थिति के अनुसार

2. माह के दौरान उर्वरकों की आकलित आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	आकलित आवश्यकता	उपलब्धता	बिक्री
यूरिया	40.01	107.14	43.63
डीएपी	10.82	34.81	12.53
एमओपी	2.69	18.24	3.05
मिश्रित	10.53	45.11	11.22

आंकड़ों का स्रोत डैशबोर्ड है।

3. माह के दौरान आयातित तैयार उर्वरकों का ब्यौरा:

उत्पाद का नाम	मात्रा 'लाख मी.टन' में
यूरिया	5.22
कृषि उपयोग हेतु एमओपी	2.64
डीएपी	3.05
एनपीके	1.19

4. **एफसीआईएल/एचएफसीएल की बंद यूनिटों की माह दिसम्बर, 2020 के दौरान पुनरुद्धार की स्थिति:**

(क) रामागुण्डम यूनिट का पुनरुद्धार:

i. **परियोजना के विषय में:**

मंत्रिमंडल ने दिनांक 04.08.2011 को आयोजित अपनी बैठक में नामित पीएसयूज के संयुक्त उद्यम का गठन करके 1.27 एमएमटीपीए क्षमता के गैस-आधारित उर्वरक संयंत्रों की स्थापना द्वारा नामांकन आधार पर एफसीआईएल की रामागुण्डम इकाई के पुनरुद्धार को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार, रामागुण्डम फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई थी। एनएफएल और ईआईएल प्रत्येक की इक्विटी 26% है और एफसीआईएल की इक्विटी 11% है। इसके अतिरिक्त, आरएफसीएल में तेलंगाना राज्य सरकार की इक्विटी 11%, गेल की 14.3% और एचटीएएस कंसोर्टियम की 11.7% इक्विटी है। उर्वरक विभाग (डीओएफ) द्वारा सचिव (उर्वरक) की अध्यक्षता में की जा रही मासिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से परियोजना गतिविधियों की गहन निगरानी की जाती है।

ii. **वृद्धिशील प्रगति:**

क. नवम्बर, 2020 तक समग्र प्रगति 99.79% है।
ख. दिसम्बर, 2020 के दौरान वृद्धिशील प्रगति 0.06% है।
ग. दिसम्बर, 2020 तक समग्र प्रगति 99.85% है।

(ख) तलचर यूनिट का पुनरुद्धार

i. **परियोजना के बारे में**

मंत्रिमंडल ने दिनांक 04.08.2011 को आयोजित अपनी बैठक में नामित पीएसयूज के संयुक्त उद्यम का गठन करके 1.27 एमएमटीपीए क्षमता वाले गैस आधारित उर्वरक संयंत्रों की स्थापना द्वारा नामांकन आधार के माध्यम से एफसीआईएल की तलचर यूनिट के पुनरूद्धार को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार, तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई थी। टीएफएल में गेल, आरसीएफ और सीआईएल प्रत्येक की इक्विटी 31.85% और एफसीआईएल की इक्विटी 4.45% है। टीएफएल संयंत्र कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी पर आधारित है। उर्वरक विभाग द्वारा सचिव (उर्वरक) की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही मासिक समीक्षा बैठक के माध्यम से परियोजना गतिविधियों की गहन निगरानी की जा रही है।

ii. **वृद्धिशील प्रगति:**

टीएफएल परियोजना की समग्र प्रगति निम्नानुसार है:-

क) नवम्बर, 2020 तक परियोजना की समग्र प्रगति 7.77% है।
ख) दिसम्बर, 2020 के दौरान वृद्धिशील प्रगति 0.94% है।
ग) दिसम्बर, 2020 तक समग्र प्रगति 8.71% है।

(ग) गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी यूनिटों का पुनरुद्धार:

i. परियोजना के बारे में

मंत्रिमंडल ने दिनांक 13.07.2016 को आयोजित अपनी बैठक में एफसीआईएल की गोरखपुर और सिंदरी यूनिटों तथा एचएफसीएल की बरौनी यूनिट का नामित पीएसयूज का एक संयुक्त उद्यम तैयार करके नामांकन आधार के माध्यम से पुनरुद्धार किए जाने को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार, हिंदुस्तान उर्वरक एंड रसायन लि.(एचयूआरएल) के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई थी। एनटीपीसी, आईओसीएल और सीआईएल प्रत्येक की इक्विटी 29.67% है जबकि एफसीआईएल के संबंध में यह 10.99% है। एचयूआरएल, गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी में 1.27 एमएमटीपीए प्रत्येक की क्षमता वाली तीन गैस आधारित यूरिया विनिर्माण यूनिटों की स्थापना कर रहा है। उर्वरक विभाग द्वारा सचिव (उर्वरक) की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही मासिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से परियोजना गतिविधियों की गहन निगरानी की जाती है।

ii. वृद्धिशील प्रगति :

क) गोरखपुर परियोजना

क) नवम्बर, 2020 तक परियोजना की समग्र प्रगति 85.4% है।
ख) दिसम्बर, 2020 के दौरान वृद्धिशील प्रगति 1.3% है।
ग) दिसम्बर, 2020 तक परियोजना की समग्र प्रगति 86.7% है।

ख) बरौनी परियोजना

क) नवम्बर, 2020 तक परियोजना की समग्र प्रगति 79.8% है।
ख) दिसम्बर, 2020 के दौरान वृद्धिशील प्रगति 1.8% है।
ग) दिसम्बर, 2020 तक परियोजना की समग्र प्रगति 81.6% है।

ग) सिंदरी परियोजना

क) नवम्बर, 2020 तक परियोजना की समग्र प्रगति 80.7% है।
ख) दिसम्बर, 2020 के दौरान वृद्धिशील प्रगति 1.5% है।
ग) दिसम्बर, 2020 तक परियोजना की समग्र प्रगति 82.2% है।

5. व्यय की स्थिति:

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए उपलब्ध 73939.00 करोड़ रुपये के बजट की तुलना में दिसम्बर, 2020 के दौरान उर्वरक राजसहायता प्रदान करने पर 8159.20 करोड़ रुपये (यूरिया: 6005.94 करोड़ रुपये, पीएंडके: 2153.03 करोड़ रु. और डीबीटी व्यावसायिक: 0.23 करोड़ रुपये) व्यय हुए। दिसम्बर, 2020 तक 75927.04 करोड़ रु. (यूरिया: 57967.04 करोड़ रु, पीएंडके उर्वरक: 17925.72 करोड़ रु., शहरी कम्पोस्ट: 29.00 करोड़ रु. और डीबीटी व्यावसायिक: 5.28 करोड़ रु.) अर्थात कुल आवंटन के 102.69% का क्रमिक व्यय हुआ।

****